अगले वर्ष नवंबर में तैयार हो जाएगा पश्चिमी छोर

फिलहाल गांधी सेतु के पश्चिमी छोर के सुपर स्ट्रक्चर को तोड़ने का चल रहा काम

राज्य ब्यूरो, पटना : गांधी सेतु के पश्चिमी छोर के संपूर्ण सुपर स्ट्रक्चर बदलने का काम अगले वर्ष नवंबर में पूरा हो जाएगा। नवंबर से पश्चिमी छोर पर वाहनों का परिचालन नए स्टील ट्रस स्ट्रक्चर पर शुरू होगा। इसके बाद पूर्वी छोर के वर्तमान सुपर स्ट्रक्चर को पूरी तरह से हटाए जाने की प्रक्रिया आरंभ होगी। पूर्वी छोर के सुपर स्ट्रक्चर को बनाए जाने का काम मई 2020 में पूरा होगा। पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव ने शनिवार को गांधी सेतु के उस हिस्से का निरीक्षण किया जहां सुपर स्ट्रक्चर को काटकर हटाया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय व निर्माण कंपनी के इंजीनियरों के साथ एक बैठक भी की।

निरीक्षण में ये थे मौजूद

पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव के निरीक्षण के दौरान सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के क्षेत्रीय अधिकारी राजेश कुमार और पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव अमृत लाल मीणा भी मौजूद थे।

- पूर्वी छोर का काम मई 2020 में पूरा करने का रखा गया है लक्ष्य
- पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव ने पुल पर चल रहे काम का किया निरीक्षण

गांधी सेतु के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते मंत्री नंद किशोर यादव व अन्य।

निर्माण करा रही कंपनी चार वर्षों तक देखरेख भी करेगी

पथ निर्माण मंत्री ने बताया कि जिस निर्माण कंपनी द्वारा गांधी सेतु के संपूर्ण सुपर स्ट्रक्चर को बदलने का काम किया जा रहा है वह निर्माण पूरा होने के अगले चार वर्षों तक पुल के रख रखाव का काम भी देखेगी। यह निर्माण कंपनी के साथ हुए करार का हिस्सा है।

आइआइटी मुंबई है स्वतंत्र कंसलटेंट

गांधी सेतु के पुनर्निर्माण के लिए आईआईटी मुंबई को स्वतंत्र कंसलटेंट बनाया गया है। नए सिरे से हो रहे निर्माण पर 1382.40 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

अगले वर्ष फरवरी से स्टील ट्रस लगाने का काम आरंभ होगा : निर्माण कंपनी की ओर दिखाए गए प्रेजेंटेशन में यह जानकारी दी गयी कि इसी वर्ष दिसंबर में गांधी सेतु के लिए स्टील ट्रस के फैब्रिकेशन का काम शुरू होगा। ट्रस को ऊपर लगाने का काम फरवरी 2018 में आरंभ होगा।

पहली बार स्टीमर से टूटेगा गांधी सेतु का सुपर स्ट्रक्चर

राज्य ब्यूरो, पटना : गांधी सेतु के सुपर स्ट्रक्चर को तोड़े जाने की प्रक्रिया में कई ऐसे चरण आने वाले हैं जो अपने आप में अनोखे होंगे। राज्य और देश की बात तो दूर पूरे विश्व में यह पहला मौका है जब इतने बड़े पुल के संपूर्ण सुपर स्ट्रक्चर को काटकर निकाला जा रहा है। अप और डाउन स्ट्रीम मिलाकर गांधी सेतु में कुल 91 स्पैन हैं। पुल की लंबाई एक तरफ से 5455 मीटर और दूसरे तरफ से 5575 मीटर है। नवंबर से यह प्रक्रिया और भी अनोखी हो जाएगी। स्टीमर से सुपर स्ट्रक्चर को काटकर हटाने की प्रक्रिया आरंभ होगी।

कोई टुकड़ा नहीं गिरेगा गंगा में : सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के क्षेत्रीय अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि बड़े स्टीमर में पुल के सुपर स्ट्रक्चर को काटे जाने को लेकर यह शर्त है कि कोई भी टुकड़ा गंगा में नहीं गिरेगा। स्टीमर के साथ ही एक नेट भी लगा रहेगा जिससे कोई टुकड़ा इधर-उधर नहीं होगा। जिस स्टीमर से सुपर स्ट्रक्चर को नदी के भीतर जाकर काटा जाना है उसके साथ एक अन्य स्टीमर भी होगा जिस पर सुपर स्ट्रक्चर का टुकड़ा गिरेगा।

धूल न उड़े इसके लिए कटर के साथ पानी का फव्वारा भी : गांधी सेतु के सुपर स्ट्रक्चर को तोड़े जाने के क्रम में पर्यावरण नियमों के बारे में कई हिदायतें हैं। सुपर स्ट्रक्चर तोड़ने के दौरान धूल न उड़े इसके लिए कटर मशीन के साथ पानी के फव्वारे की भी व्यवस्था है। यह सुपर स्ट्रक्चर तोड़ने के दौरान काम करता रहता है।

कैंप में ही एग्रीगेट्स को अलग किया जा रहा : गांधी सेतु के मलबे को निर्माण कंपनी के कैंप कार्यालय के एक हिस्से में रखा जा रहा है। इसके एग्रीगेट्स को अलग किए जाने की व्यवस्था की गयी है। एग्रीगेट्स का इस्तेमाल अलग से किसी अन्य निर्माण कार्य में किया जाएगा।